No. of Printed Pages : 2

MHD–17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिंदी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. अश्वघोष की महत्वपूर्ण कृतियों पर प्रकाश डालिए। 10

2. बौद्ध दर्शन में अनात्मवाद के सिद्धांत के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 10

3. आर्य नागार्जुन के प्रतीत्यसमुत्पाद का महत्व विशद कीजिए। 10

4. ब्राह्मण–पुरोहित प्रेरित कर्मकाण्ड को 'चार्वाक दर्शन' ने कैसे चुनौती दी ? 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

5. "पारलौकिक दार्शनिक सिद्धान्त जीवन विरोधी है।" चार्वाकवादी मान्यताओं के आलोक में इस कथन की पुष्टि कीजिए। 10

6. नाथ साहित्य पर बौद्ध दर्शन के प्रभाव पर प्रकाश डालिए। 10

7. "महानुभाव पंथ का दर्शन दलित साहित्य की प्रेरणा के रूप में ले सकते हैं।" चर्चा कीजिए। 10

8. सिद्धों की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

9. कन्नड़ की भक्ति-साहित्य परंपरा का परिचय दीजिए। 10

10. हरिदास साहित्य का परिचय दीजिए। 10

11. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) संवाद की लोकतांत्रिक परंपरा

(ख) पुरंदरदास

(ग) रामदास

(घ) विजयदास

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com